

## वर्श्व आर्थिक परदृश्य रपिर्ट

### प्रलिमिंस के लयि:

[अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष \(IMF\)](#), [वर्श्व आर्थिक परदृश्य \(WEO\)](#), [पेंट-अप डमिंड](#), [हेडलाइन मुद्रास्फीति](#), [वैश्विक मंदी](#), [भारतीय रजिर्व बैंक \(RBI\)](#), [मौद्रिक नीतिसमिति \(MPC\)](#), [उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में सख्त मौद्रिक नीतियाँ](#), [वैश्विक मुख्य मुद्रास्फीति](#)

### मेन्स के लयि:

भारत के आर्थिक अनुमानों, मुद्रास्फीति के रुझान और भारत की आर्थिक वृद्धि में वैश्विक विकास गतशीलता का महत्त्व।

[स्रोत: द हद्रि](#)

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में [अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष \(IMF\)](#) ने अक्टूबर, 2024 के लयि अपनी [वर्श्व आर्थिक परदृश्य \(WEO\)](#) रपिर्ट जारी की है।

- इसके अनुसार भारत की आर्थिक संवृद्धि दर वर्ष 2024 में 7% और वर्ष 2025 में 6.5% रहने का अनुमान है।

## वर्श्व आर्थिक परदृश्य

- परचिय:** WEO अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा तैयार की जाने वाली एक प्रमुख रपिर्ट है, जो अप्रैल और अक्टूबर में अर्धवार्षिक रूप से प्रकाशित होती है।
  - फोकस:** इसके द्वारा वैश्विक अर्थव्यवस्था और अलग-अलग देशों के लयि विश्लेषण और अनुमान निर्धारित होते हैं।
  - उद्देश्य:** आर्थिक विकास का आकलन करना, प्रवृत्तियों की पहचान करना और नीतितगत सफिराशें प्रस्तुत करना।
- पहलू:**
  - आर्थिक विकास अनुमान: वैश्विक और क्षेत्रीय आर्थिक प्रदर्शन के लयि पूर्वानुमान।
  - मुद्रास्फीति के रुझान: मुद्रास्फीति दरों और उनके नहितार्थों पर अंतरदृष्टि।
  - वर्तितय स्थरिता मूल्यांकन: वर्तितय प्रणालियों और बाज़ारों के लयि जोखमिों का मूल्यांकन।
- महत्त्व:**
  - यह रपिर्ट नीत निर्माताओं, शोधकर्त्ताओं और नविशकों के लयि आर्थिक परदृश्य को समझने और उसमें मार्गदर्शन करने के लयि एक महत्त्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करती है।

## WEO रपिर्ट की मुख्य बातें क्या हैं?

- भारत विशिष्ट नषिकर्ष:**
  - विकास अनुमान:** इसने चालू वर्तित वर्ष के लयि भारत में 7% की संवृद्धि का अनुमान लगाया, जो वर्तित वर्ष 2023-24 के 8.2% से कम है।
    - इस गरिवट का कारण महामारी के बाद मांग में कमी आना है।
  - मुद्रास्फीति:** भारत में [हेडलाइन मुद्रास्फीति](#) (कसी अर्थव्यवस्था में कुल मुद्रास्फीति दर, जसिमें सभी श्रेणियों की वस्तुएँ और सेवाएँ शामिल हैं) में कमी आने की उम्मीद है, जसिके वर्तित वर्ष 2024-25 में 4.4% और वर्तित वर्ष 2025-26 में 4.1% रहने का अनुमान है।
    - यह महामारी के दौरान चरम पर पहुँचने के बाद मुद्रास्फीति में कमी आने के वैश्विक रुझान के अनुरूप है।
  - घरेलू मांग:** [वैश्विक मंदी](#) के बावजूद, भारत की खपत और नविश की गति मजबूत बनी हुई है, जसिे घरेलू नीतियों और अनुकूल नविश माहौल का समर्थन प्राप्त है।

- हाल ही में [भारतीय रजिस्ट्रार बैंक \(RBI\)](#) ने मज़बूत घरेलू मांग के कारण चालू वित्त वर्ष के लिये अपने संवृद्धि अनुमान को 7.2% पर बनाए रखा है।
- ये कारक बाह्य असंतुलन के माध्यम से **भारत की विकास गतिको अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकते हैं।**
- **वैश्विक संवृद्धि अनुमान:**
  - वर्ष 2024 और 2025 में वैश्विक संवृद्धि 3.2% पर स्थिर रहने का अनुमान है।
  - IMF के अनुसार अमेरिकी अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर वर्ष 2024 में 2.8% और वर्ष 2025 में 2.2% रहेगी जबकि चीन की अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 में 4.8% और वर्ष 2025 में 4.5% बढ़ने की उम्मीद है।
  - **क्षेत्रीय बदलाव:** महामारी के कारण वस्तुओं की कीमतें सेवाओं की तुलना में अधिक बनी हुई हैं और वैश्विक स्तर पर सेवाओं की मांग में बदलाव की उम्मीद है।
  - वैश्विक ऑटोमोटिव उद्योग में परिवर्तन हो रहा है क्योंकि यह [इलेक्ट्रिक वाहनों \(EV\)](#) की ओर रुख कर रहा है, जिससे उत्सर्जन में कमी आएगी। लेकिन इससे पूंजी-गहन वननिर्माण क्षेत्रों में रोज़गार का नुकसान हो सकता है।

## IMF क्या है?

- **परिचय:**
  - अंतरराष्ट्रीय संगठन: वैश्विक आर्थिक विकास और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देता है।
  - यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करने के साथ गरीबी कम करने पर केंद्रित है।
  - स्थापना: वर्ष 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन के बाद।
- **प्राथमिक लक्ष्य:**
  - प्रारंभ में इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय आर्थिक समन्वय को बढ़ावा देना था ताकि निर्यात को बढ़ावा देने के लिये देशों को मुद्रा अवमूल्यन करने से रोका जा सके।
- **विकास:**
  - गंभीर मुद्रा संकट का सामना कर रहे देशों के लिये अंतिम उपाय के रूप में ऋण प्रदान करना।
- **IMF की रिपोर्ट:**
  - वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट
  - विश्व आर्थिक परिदृश्य

## WEO रिपोर्ट में कनि चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया है?

- **वैश्विक आर्थिक मंदी:** [वृद्ध होती आबादी](#), कमजोर निवेश और धीमी उत्पादकता वृद्धि के कारण मध्यम अवधि के वैश्विक विकास अनुमान कमजोर बने हुए हैं।
  - भू-आर्थिक विखंडन और व्यापार तनाव से वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं और बाज़ार दक्षता के समक्ष जोखिम पैदा होते हैं।
- **सुधारों के प्रति सामाजिक प्रतिरोध:** आवश्यक संरचनात्मक सुधारों के लिये भी अक्सर सार्वजनिक प्रतिरोध देखने को मिलता है, जो आमतौर पर आर्थिक चिंताओं के बजाय अविश्वास, गलत सूचना और व्यवहार संबंधी कारकों से उत्पन्न होता है।
- **राजकोषीय बाधाएँ और ऋण:** ऊँचे ऋण स्तरों (वर्षीय रूप से नमिन आय वाले और उभरते बाज़ार वाले देशों में) के आलोक में राजकोषीय संकट से बचने के लिये बेहतर ऋण प्रबंधन की आवश्यकता है।
- **जलवायु और ऊर्जा परिवर्तन:** [सबच्च ऊर्जा](#) में परिवर्तन आवश्यक है लेकिन इसके लिये पर्याप्त निवेश और समर्थन की आवश्यकता है, जो राजकोषीय का सामना कर रही कई अर्थव्यवस्थाओं के लिये चुनौतीपूर्ण है।

## WEO रिपोर्ट की प्रमुख सफ़ारिशें क्या हैं?

- **संरचनात्मक सुधार:** नीति निर्माताओं को उत्पादकता संबंधी बाधाओं को दूर करने तथा दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने के लिये [स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम बाज़ार और डिजिटलीकरण](#) में सुधारों को प्राथमिकता देनी चाहिये।
- **सामाजिक स्वीकार्यता ढाँचा:** प्रभावी सुधार में लोक परामर्श को शामिल किया जाना चाहिये, विश्वास का निर्माण किया जाना चाहिये और सामाजिक स्वीकर्ता को बढ़ावा देने के लिये स्पष्ट संचार सुनिश्चिता किया जाना चाहिये।
- **राजकोषीय नीति समायोजन:** देशों को ऋण स्थिरता सुनिश्चिता करने के लिये क्रमिक और विश्वसनीय राजकोषीय समायोजन की आवश्यकता है।
  - विकास को समर्थन देने के लिये सार्वजनिक निवेश (वर्षीयकर डिजिटल और बुनियादी ढाँचा क्षेत्रों में) जारी रखना चाहिये।
- **जलवायु लचीलापन और हरित क्षेत्र में निवेश:** [जलवायु वित्तपोषण](#) का वस्तितार (वर्षीय रूप से कमजोर देशों के लिये) करना चाहिये तथा विश्व व्यापार संगठन के अनुरूप हरित सब्सिडी के साथ कार्बन मूल्य निर्धारण नीतियों को लागू करना चाहिये जो हरित संक्रमण को आगे बढ़ाने हेतु प्रमुख कदम है।

□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□:

**प्रश्न:** वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत की विकास दर में लचीलापन देखने को मिलता है। विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट के संदर्भ में, भारत के आर्थिक अनुमानों को आकार देने वाले आंतरिक एवं बाह्य कारकों पर चर्चा कीजिये।

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

**??????????:**

Q. 'वैश्वकि वत्तितीय सथरिता रपिर्ट' कसिके द्वारा तैयार की जाती है? (2016)

- (a) यूरोपीय सेंटरल बैंक
- (b) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष
- (c) अंतरराष्ट्रीय पुनर्नरिमाण और वकिस बँक
- (d) आर्थकि सहयोग और वकिस संगठन

**उत्तर: (B)**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/world-economic-outlook-report-1>

